

8- बुद्धि की संरचना या गिल्फोर्ड का सिद्धान्त-

जे. पी. गिल्फोर्ड तथा उसके सहयोगियों ने बुद्धि का त्रिविधिय प्रारूप प्रस्तुत किया इसे संरचना प्रतिमान भी कहते हैं। इस प्रतिमान के तीन आयाम हैं।

A - बुद्धि की विषय वस्तु

B - सांकेतिक

C - उपाय

इस प्रतिमान के तीनों आयामों को निम्न प्रकार से प्रस्तुत किया गया है।

A-विषय-वस्तु -

विषय-वस्तु से तात्पर्य उस सामग्री से है जिसके आधार पर मानसिक प्रक्रियाएँ की जाती हैं। गिल्फोर्ड ने विषय-वस्तु से सम्बन्धित सूचनाओं को चार भागों में विभक्त किया है। -

i- आकृतिक -

इसमें वह सूत्र सामग्री आती है जिसका अनुभव श्रद्धियों द्वारा किया जा सकता है। दृश्य सामग्री में रूप आकार तथा रंग जैसे गुण विद्यमान रहते हैं।

ii- सांकेतिक - इस सामग्री में वर्ण, अक्षर, अंक तथा अन्य परम्परागत चिन्ह आते हैं।

iii- शाब्दिक - इसमें शब्दों वाक्यों अथवा विचारों आदि का अर्थ करना होता है।

iv- व्यावहारिक - व्यावहारिक विषय वस्तु व्यक्तियों के वास्तविक आन्तरिक व्यवहार से सम्बन्धित होती है।

B-संक्रिया - यह मानसिक कार्यों को करने में निहित संक्रिया है। इसके पाँच भागों में बाँटा जाता है।

i-संज्ञान - संज्ञान के अन्तर्गत सूचनाओं को खोज करना, उनका पुनः अन्वेषण करना तथा प्रसंगिकता बनाना आता है। यह सीखने का सबसे महत्वपूर्ण संक्रिया है।

ii-स्मृति - स्मृति सीखे गए ज्ञान का धारण करती है।

iii-परम्परागत चिन्तन - परम्परागत चिन्तन परम्परागत ढंग से विचार करता है।

iv-गैर-परम्परागत चिन्तन - गैर-परम्परागत चिन्तन नवीन ढंग से सोचने का ढंग है जो सृजनशीलता को भी प्रेरित करता है।

v-मूल्यांकन - मूल्यांकन उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर निर्णय लेने व निष्कर्ष पर पहुँचने की क्रिया है।

C-परिणामों या उत्पादों

यह अनेक-अनेक प्रकार की विषयवस्तुओं के साथ विभिन्न मानसिक संक्रियाओं को करने के फलस्वरूप प्राप्त होते हैं। उत्पादों या परिणामों को गिल्फोर्ड ने दू! प्रकारों में बाँटा है।

i-शब्दावली - इस श्रेणी में अधिकतर सार्थक तथा द्वैती सूचनाएँ आती हैं जैसे - शब्दों के अर्थ।

ii-वर्गीकरण - विचारों तथा शब्दों आदि को उनके गुणों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। जैसे - मैल + कुर्सी + वेच + स्टूल = फर्नीचर।

iii-सम्बन्ध - उत्पत्तीकरण द्वारा वस्तुओं के बीच आकार अथवा सांकेतिक गुणों के आधार पर

सम्बन्धों को समझते हैं

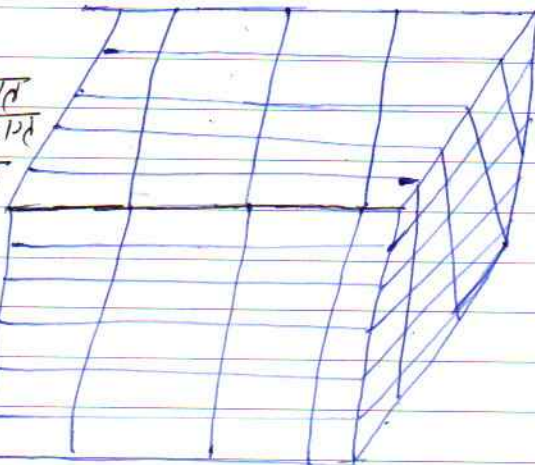
10- उपयोगिता - सम्बन्धों के संश्लेषण संगठन तथा वर्गीकरण द्वारा वस्तुओं तथा सांकेतिक तत्वों की संरचना करते हैं

11- स्फूर्तता - विषय वस्तु पर मानसिक क्लिमास करते समय प्राप्त अनुभवों के आधार पर विषय सामग्री के स्वरूप में कुछ परिवर्तन करना

12- निहितार्थ - धारित परिणामों का निष्कर्ष निकालना तथा उनका दूसरी परिस्थितियों में उपयोग करना
मिसकॉर्ड ने बुद्धि के इन तीनों विभागों को निम्न चित्र के माध्यम से व्यक्त किया है

प्रक्रियाएँ

- संज्ञान
- स्मृति
- परम्परागत
- निर-परम्परागत
- प्रत्याकन
- व्यवस्तु
- नकल
- सांकेतिक
- चित्र
- व्यवहारिक



- उदाहरण:
- संज्ञान
 - वर्ग
 - सम्बन्ध
 - उपयोगिता
 - उत्पादन
 - निहितार्थ

बुद्धि की संरचना

मानसिक व्यापों में निहित उपरोक्त वर्णित चार प्रकार की सामग्री पाँच प्रकार की सक्रियताएँ तथा छः प्रकार के उत्पादों के आधार पर गिलफोर्ड ने कहा कि कुल 120 ($5 \times 5 \times 6 = 120$) मिनट-2 प्रकार की मानसिक योग्यताएँ हो सकती हैं जो 120 मिनट-2 प्रकार के व्यापों में संगठन होती हैं।

परन्तु कालान्तर में किये गये शोध व्यापों के परिणामों के आधार पर गिलफोर्ड ने अपने भाइल में सुधार करते हुए सामग्री को चार के स्थान पर पाँच भागों दृष्टिक, क्रवणिक, सांकेतिक, शारीरिक तथा व्यवहारपरक में विभक्त किया इस प्रकार संशोधित तीन स्वतन्त्र विभा विज्ञ में $5 \times 5 \times 6 = 150$ हो गये। ये 150 बौद्धिक संघटकों परस्पर एक दूसरे से स्वतन्त्र रहते हुए क्रियाशील रहते हैं। इस अन्तिम स्वतन्त्रित भाइल निम्न निम्न में दर्शाया गया है जो अगले पन्ने पर है।

Notes

1. 19/11/20
 2. 20/11/20
 3. 21/11/20
 4. 22/11/20
 5. 23/11/20
 6. 24/11/20
 7. 25/11/20
 8. 26/11/20
 9. 27/11/20
 10. 28/11/20
 11. 29/11/20
 12. 30/11/20
 13. 01/12/20
 14. 02/12/20
 15. 03/12/20
 16. 04/12/20
 17. 05/12/20
 18. 06/12/20
 19. 07/12/20
 20. 08/12/20
 21. 09/12/20
 22. 10/12/20
 23. 11/12/20
 24. 12/12/20
 25. 13/12/20
 26. 14/12/20
 27. 15/12/20
 28. 16/12/20
 29. 17/12/20
 30. 18/12/20
 31. 19/12/20
 32. 20/12/20
 33. 21/12/20
 34. 22/12/20
 35. 23/12/20
 36. 24/12/20
 37. 25/12/20
 38. 26/12/20
 39. 27/12/20
 40. 28/12/20
 41. 29/12/20
 42. 30/12/20
 43. 31/12/20

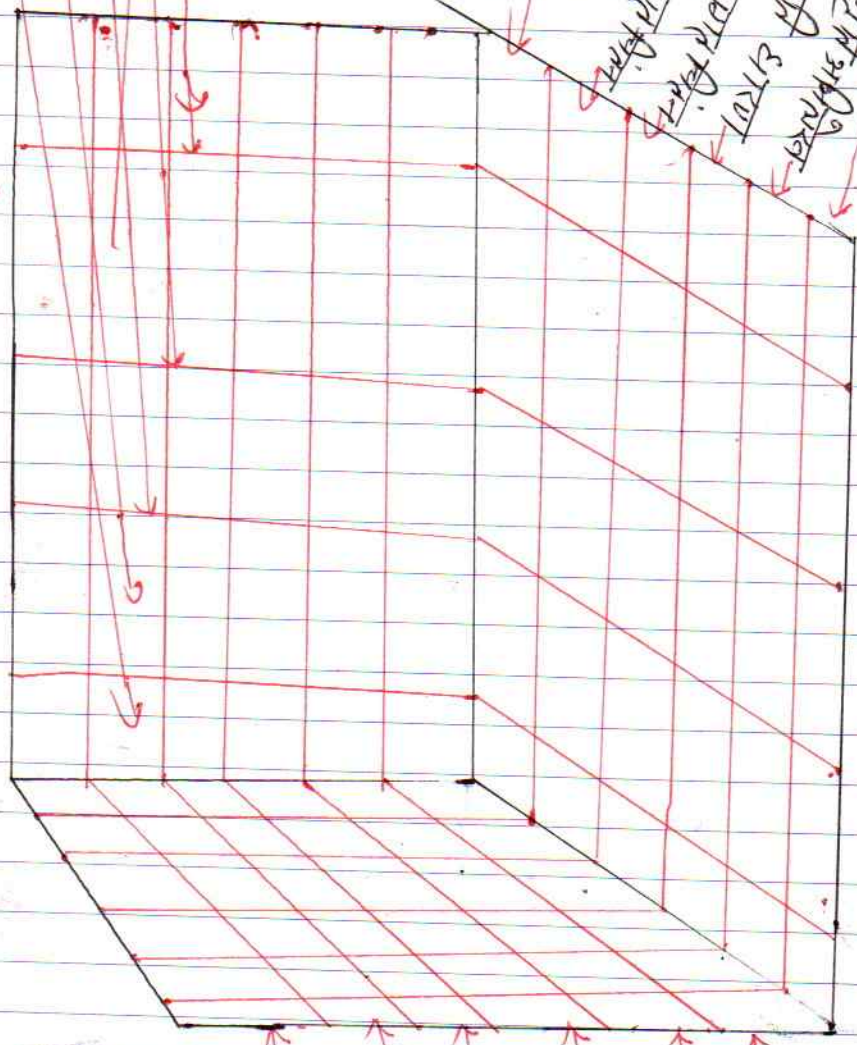
शुक्र. 11/12/20

शनि. 12/12/20

1. 13/12/20
 2. 14/12/20
 3. 15/12/20
 4. 16/12/20
 5. 17/12/20
 6. 18/12/20
 7. 19/12/20
 8. 20/12/20
 9. 21/12/20
 10. 22/12/20
 11. 23/12/20
 12. 24/12/20
 13. 25/12/20
 14. 26/12/20
 15. 27/12/20
 16. 28/12/20
 17. 29/12/20
 18. 30/12/20
 19. 31/12/20

1. 01/01/21
 2. 02/01/21
 3. 03/01/21
 4. 04/01/21
 5. 05/01/21
 6. 06/01/21
 7. 07/01/21
 8. 08/01/21
 9. 09/01/21
 10. 10/01/21
 11. 11/01/21
 12. 12/01/21
 13. 13/01/21
 14. 14/01/21
 15. 15/01/21
 16. 16/01/21
 17. 17/01/21
 18. 18/01/21
 19. 19/01/21
 20. 20/01/21
 21. 21/01/21
 22. 22/01/21
 23. 23/01/21
 24. 24/01/21
 25. 25/01/21
 26. 26/01/21
 27. 27/01/21
 28. 28/01/21
 29. 29/01/21
 30. 30/01/21
 31. 31/01/21

शुक्र. 11/12/20



1. 01/02/21
 2. 02/02/21
 3. 03/02/21
 4. 04/02/21
 5. 05/02/21
 6. 06/02/21
 7. 07/02/21
 8. 08/02/21
 9. 09/02/21
 10. 10/02/21
 11. 11/02/21
 12. 12/02/21
 13. 13/02/21
 14. 14/02/21
 15. 15/02/21
 16. 16/02/21
 17. 17/02/21
 18. 18/02/21
 19. 19/02/21
 20. 20/02/21
 21. 21/02/21
 22. 22/02/21
 23. 23/02/21
 24. 24/02/21
 25. 25/02/21
 26. 26/02/21
 27. 27/02/21
 28. 28/02/21
 29. 29/02/21
 30. 30/02/21
 31. 31/02/21

शुक्र. 11/12/20

शुक्र. 11/12/20

शुक्र. 11/12/20

शुक्र. 11/12/20

शुक्र. 11/12/20

शुक्र. 11/12/20